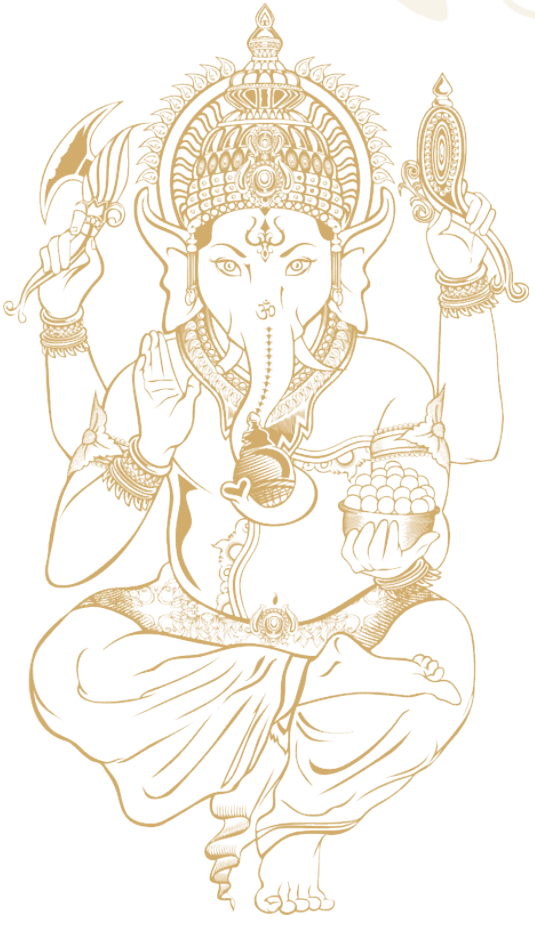

Devanshu Yukti

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121423401

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121423401 Date: 27/02/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
08/01/1996	जन्म तिथि	10/09/1997
सोमवार	दिन	बुधवार
घंटे 07:40:00	जन्म समय	20:10:00 घंटे
घटी 00:23:22	जन्म समय(घटी)	34:53:06 घटी
India	देश	India
Firozpur	स्थान	Delhi
30:55:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
74:38:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:31:28	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:30:39	सूर्योदय	06:03:34
17:45:18	सूर्यास्त	18:32:12
23:48:13	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:26

धनु	लग्न	मीन
गुरु	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
कर्क	राशि	धनु
चन्द्र	राशि-स्वामी	गुरु
आश्लेषा	नक्षत्र	मूल
बुध	नक्षत्र स्वामी	केतु
1	चरण	1
विष्कुम्भ	योग	प्रीति
वणिज	करण	बालव
डी-डीगेश्वर	जन्म नामाक्षर	ये-येनी
मकर	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या
विप्र	वर्ण	क्षत्रिय
जलचर	वश्य	मानव
मार्जार	योनि	श्वान
राक्षस	गण	राक्षस
अन्त्य	नाड़ी	आद्य
श्वान	वर्ग	मृग

Meenna Salaria Astro &Numerio
Delhi
9667113751
salaria.meena@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 15वर्ष 11मा 19दि		24:36:04	धनु	लग्न	मीन	29:54:34	केतु 6वर्ष 7मा 4दि	
शुक्र		23:15:42	धनु	सूर्य	सिंह	24:05:53	सूर्य	
28/12/2018		17:28:28	कर्क	चंद्र	धनु	00:46:15	15/04/2024	
28/12/2038		05:54:27	मक	मंगल	तुला	23:39:46	16/04/2030	
शुक्र	28/04/2022	11:03:39	मक	बुध	सिंह	08:53:55	सूर्य	03/08/2024
सूर्य	28/04/2023	07:16:23	धनु	गुरु व	मक	19:29:28	चन्द्र	02/02/2025
चन्द्र	27/12/2024	27:31:21	मक	शुक्र	तुला	04:26:55	मंगल	09/06/2025
मंगल	26/02/2026	26:06:19	कुंभ	शनि व	मीन	25:14:22	राहु	04/05/2026
राहु	26/02/2029	28:18:20	कन्या व	राहु व	सिंह	25:54:58	गुरु	20/02/2027
गुरु	28/10/2031	28:18:20	मीन व	केतु व	कुंभ	25:54:58	शनि	02/02/2028
शनि	28/12/2034	05:57:07	मक	हर्ष व	मक	11:22:09	बुध	09/12/2028
बुध	27/10/2037	01:08:23	मक	नेप व	मक	03:34:21	केतु	16/04/2029
केतु	28/12/2038	08:22:21	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	09:13:30	शुक्र	16/04/2030

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:48:13 चित्रपक्षीय अयनांश 23:49:26

लग्न-चलित

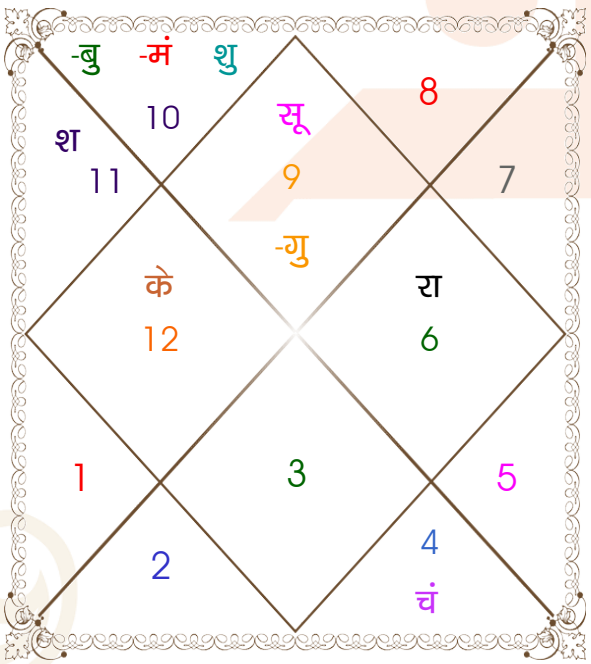

लग्न-चलित

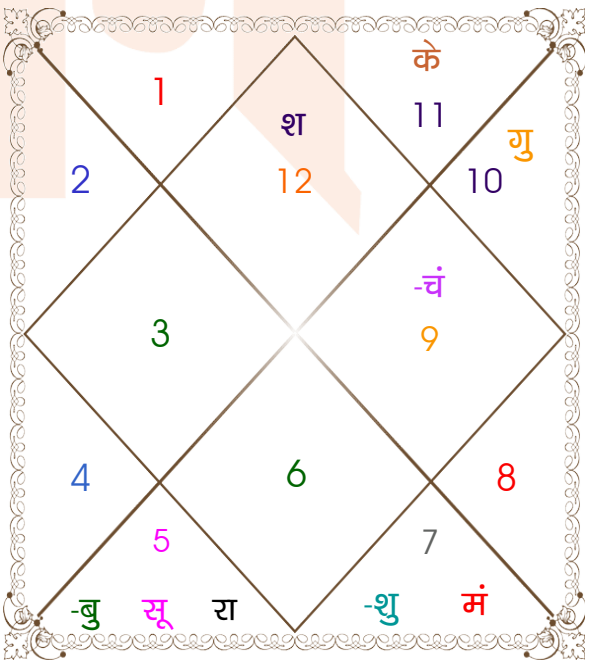

Meenna Salaria Astro &Numerio
Delhi
9667113751
salaria.meena@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मार्जार	श्वान	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	गुरु	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	धनु	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.00		

कुल : **24 / 36**

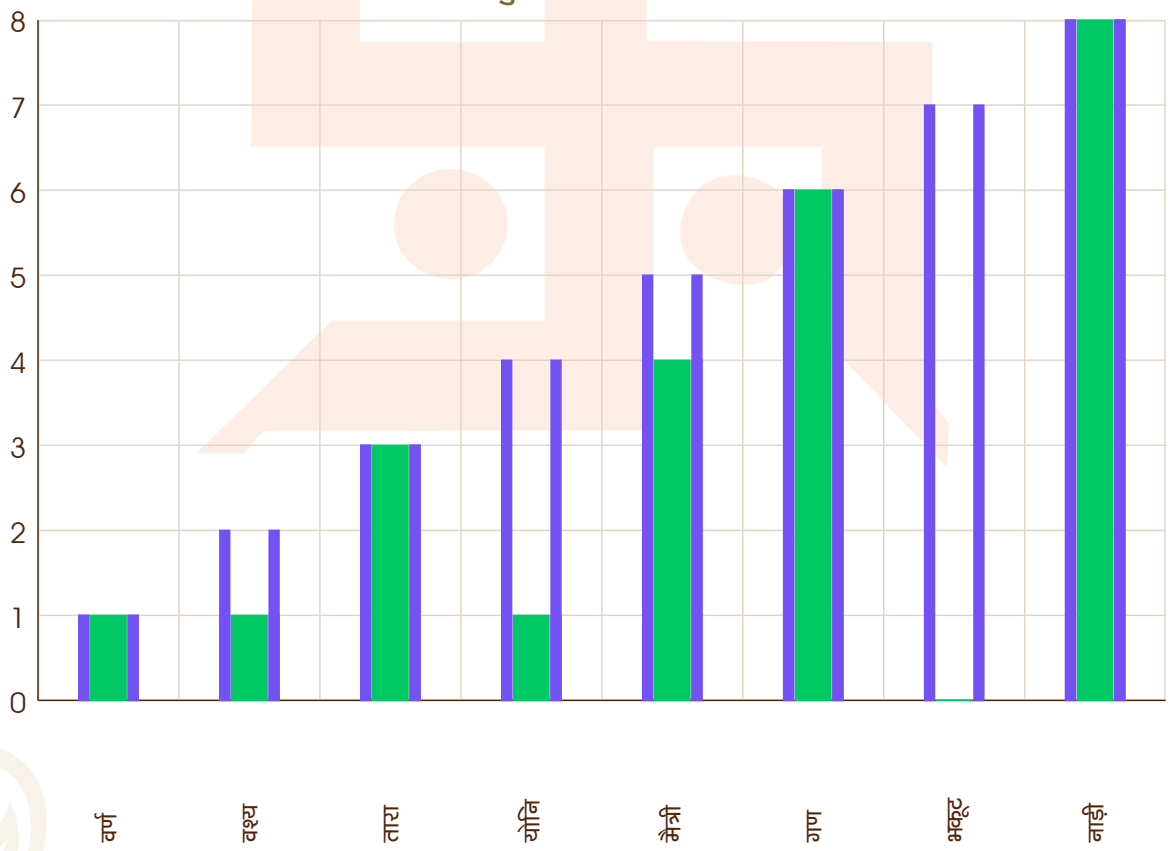

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

क्मअंदीन का वर्ग श्वान है तथा ल्नाजप का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार क्मअंदीन और ल्नाजप का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

क्मअंदीन मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

ल्नाजप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि क्मअंदीन कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

क्मअंदीन तथा ल्नाजप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

क्मअंदीन का वर्ण ब्राह्मण तथा ल्नाजप का वर्ण क्षत्रिय है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। जिसके प्रभाव से ल्नाजप में अपने पति के प्रति अगाध प्रेम, श्रद्धा एवं सम्मान की भावना रहेगी। कभी-कभी क्षत्रिय खून की गर्मी भी समय-समय पर उबाल मारने के कारण समय-समय पर ल्नाजप आक्रामक व्यवहार कर सकती हैं हालांकि उनका व्यवहार कभी भी अनियंत्रित नहीं होगा। ल्नाजप सदैव अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन भली-भांति करती रहेंगी तथा वे सदैव प्रशंसा की पात्र रहेंगी।

वश्य

क्मअंदीन का वश्य जलचर है एवं ल्नाजप का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है। जिसके कारण यह मिलान मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जलचर कभी भी मनुष्य के ऊपर नियंत्रण स्थापित नहीं कर सकता। इसके विपरीत, मनुष्य या तो जलचरों पर नियंत्रण कर लेता है अथवा उसे समाप्त कर देता है अथवा उसका भक्षण कर लेता है अथवा उससे दूर भागता है। अतः यदि इन दोनों बीच विवाह सम्पन्न होता है तो यह अनुकूल नहीं रहेगा। इस स्थिति में ल्नाजप अति हावी होती रहेगी तथा हमेशा अपने पति को गुलाम समझती रहेगी तथा चाहेगी कि क्मअंदीन उसकी आज्ञा का पालन करे। इससे घर की शांति भंग होगी तथा प्रगति एवं समृद्धि पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

तारा

क्मअंदीन की तारा अतिमित्र तथा ल्नाजप की तारा सम्पत है। अतः दोनों की तारा अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह विवाह वैवाहिक जीवन एवं परिवार के लिए चहुंमुखी समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा। साथ ही दोनों एक-दूसरे के लिए काफी भाग्यशाली साबित होंगे। क्मअंदीन हमेशा ल्नाजप के साथ मित्रवत व्यवहार करता रहेगा तथा उसे असीम प्रेम एवं प्यार देता रहेगा। इनके बच्चे भी काफी बुद्धिमान, भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं सफल होंगे।

योनि

क्मअंदीन की योनि मार्जार है तथा ल्नाजप की योनि श्वान है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग- अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी- कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय

अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में क्मअंदीन का राशि स्वामी ल्नाजप के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि ल्नाजप का राशिस्वामी क्मअंदीन के राशिस्वामी के साथ मित्रता का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी के राशि स्वामी दूसरे साथी के लिए सम हों किंतु दूसरे साथी के राशि स्वामी अपने साथी के राशि स्वामी को अपना मित्र मानते हों तो इसे भी उत्तम मिलान माना जाता है। ऐसी स्थिति में वैवाहिक सुख, शांति, खुशहाली, प्रेम एवं समृद्धि से युक्त जीवन होता है। अतः दम्पत्ति के बीच पारस्परिक समझ, विश्वास एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। दोनों अपने घरेलू अथवा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन साथ मिलकर करते रहेंगे तथा सभी की प्रशंसा का पात्र बनेंगे।

गण

क्मअंदीन का गण राक्षस है तथा ल्नाजप का गण भी राक्षस है। अर्थात ल्नाजप का गण क्मअंदीन के गण के समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण क्मअंदीन एवं ल्नाजप दोनों के स्वभाव, विचार तथा पसंद-नापसंद एक जैसे होंगे। यद्यपि कि दोनों के स्वभाव क्रूर, निष्ठुर एवं असंवेदनशील होंगे किंतु फिर भी एक-दूसरे के लिए ये अति अनुकूल एवं आदर्श साबित होंगे।

भकूट

क्मअंदीन से ल्नाजप की राशि षष्ठम भाव में स्थित है तथा ल्नाजप से क्मअंदीन की राशि अष्टम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। जिसके कारण क्मअंदीन लाइलाज बीमारी से ग्रस्त हो सकते हैं तथा अक्सर उनके जलने अथवा दुर्घटनाग्रस्त होने की संभावना बनी रहेगी। ल्नाजप को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं तथा परिवार के सदस्यों से वैमनस्य होने की संभावना भी रहेगी। पति-पत्नी के बीच वैचारिक मतभेद रह सकते हैं तथा अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे। दोनों के बीच तनावपूर्ण स्थिति पूरे परिवार के लिए समस्या एवं पीड़ा बन जायेगी। मुकदमेबाजी होने से अलगाव एवं तलाक की संभावना भी रहेगी।

नाड़ी

क्मअंदीन की नाड़ी अन्त्य है तथा ल्नाजप की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की

नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह समन्वय शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ को संतुलित करता है। क्मअंदीन की अन्त्य नाड़ी तथा ल्नाजप की आद्य नाड़ी होने के कारण उत्तम स्वास्थ्य, सम्पत्ति, सत्ता, शक्ति एवं दम्पत्ति के पारस्परिक प्रेम एवं सहयोग समय-समय पर मिलता रहेगा। आपकी संतान अति भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं शक्ति संपन्न होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

क्मअंदीन की जन्म राशि जलतत्व युक्त कर्क तथा ल्नाजप की राशि अग्नि तत्व युक्त धनुराशि है। नैसर्गिक रूप से जल एवं अग्नितत्व में विषमता एवं विरोध का भाव होता है। अतः इसके प्रभाव से क्मअंदीन और ल्नाजप के मध्य स्वभावगत असमानताएं रहेगी जिससे दाम्पत्य संबधों में मधुरता में कमी आएगी। अतः यह मिलान विशेष उत्तम नहीं रहेगा।

क्मअंदीन और ल्नाजप की राशियां परस्पर मित्र एवं सम राशियों में स्थित है। इसके प्रभाव से यदि क्मअंदीन और ल्नाजप परस्पर सामंजस्य का अनुपालन करें तो उनके दाम्पत्य जीवन में सुखद स्थिति उत्पन्न हो सकती है तथा उपरोक्त असमानताओं में न्यूनता आ सकती है। क्मअंदीन और ल्नाजप परस्पर गुणों की प्रशंसा तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे जिससे परस्पर संबधों में मधुरता में वृद्धि होगी। साथ ही एक दूसरे के प्रति सम्मान सहयोग एवं प्रेम का भाव रहेगा।

क्मअंदीन और ल्नाजप की राशियां परस्पर षष्ठ एवं अष्टम भाव में पड़ती है यह एक प्रबल भकूट दोष है। इसके प्रभाव से क्मअंदीन और ल्नाजप के मध्य अनावश्यक विवाद उत्पन्न होंगे तथा परस्पर विरोध का भाव भी रहेगा जिससे दाम्पत्य जीवन की सुख शांति में न्यूनता आएगी। अतः यदि धैर्य पूर्वक परस्पर व्यवहार किया जाय तथा एक दूसरे के विरोध की अपेक्षा सम्मान जनक स्थान प्रदान किया जाय तो क्मअंदीन और ल्नाजप का वेवाहिक जीवन सुखी हो सकता है।

क्मअंदीन का वश्य जलचर एवं ल्नाजप का वश्य मानव है। जलचर एवं मानव की नैसर्गिक विषमता के कारण इनके मध्य अभिरूचियों में अंतर रहेगा। साथ ही शारीरिक मानसिक तथा भावनात्मक स्तर पर भी असमानता रहेगी एवं काम भावनाओं में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे।

क्मअंदीन का वर्ण ब्राह्मण तथा ल्नाजप का वर्ण क्षत्रिय है। इसके प्रभाव से क्मअंदीन शैक्षणिक तथा धार्मिक कार्यो में रूचिशील रहेंगे तथा ल्नाजप साहसी तथा पराक्मी कार्यो को सम्पन्न करने में प्रवृत रहेंगी। अतः कार्य क्षेत्र में उन्नति निरन्तर बनी रहेगी।

धन

क्मअंदीन का जन्म अतिमित्र तथा ल्नाजप का सम्पत नामक तारा में हुआ है। इसके प्रभाव से ल्नाजप एक धनवान तथा भाग्यशाली महिला होंगी तथा ल्नाजप के शुभ प्रभाव से उनकी आर्थिक स्थिति में नित्य वृद्धि होती रहेगी। भकूट का प्रभाव इनकी आर्थिक स्थिति पर सम रहेगा। अतः स्वपरिश्रम से ही इच्छित धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही मंगल का भी कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार क्मअंदीन और ल्नाजप आरामदायक जीवन व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

क्मअंदीन और ल्नाजप को लाटरी, सट्टे या अन्य स्रोतों से अनायास धन प्राप्ति की संभावना होगी। साथ ही विभिन्न प्रकार के भौतिक संसाधनों का वे उपभोग करने में सफलता प्राप्त करेंगे। इसके अतिरक्त वे जायदाद तथा आभूषण आदि को भी अर्जित करने में समर्थ होंगे।

स्वास्थ्य

क्मअंदीन का जन्म अन्त्य तथा ल्नाजप का जन्म आद्य नाड़ी में हुआ है। अतः स्वास्थ्य पर इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा नाड़ी दोष से मुक्त माने जाएंगे। परन्तु मंगल का दुष्प्रभाव क्मअंदीन को समय समय पर न्यूनाधिक रूप से होता रहेगा। इसके प्रभाव से क्मअंदीन हृदय संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगे एवं रक्त तथा पित संबंधी रोगों से भी पर कष्ट की प्राप्ति होगी। साथ ही धातु या मूत्र रोग संबंधी परेशानी की भी संभावना होगी। अतः इसके दुष्प्रभाव से बचने के लिए क्मअंदीन को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास भी रखने चाहिए। इससे उपरोकत अशुभ प्रभावों में कमी होगी तथा शुभ प्रभावों की प्राप्ति करने में समर्थ रहेंगे।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से क्मअंदीन और ल्नाजप का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त क्मअंदीन और ल्नाजप के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में ल्नाजप के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन ल्नाजप को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में ल्नाजप को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से क्मअंदीन और ल्नाजप सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार क्मअंदीन और ल्नाजप का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

ल्नाजप के अपने सास से सामान्य संबध रहेंगे तथा परस्पर सामंजस्य से मधुरता

बनी रहेगी यद्यपि इनके मध्य यदा कदा विवाद या मतभेद उत्पन्न होंगे परन्तु उनका बुद्धिमता से समाधान करने में दोनों को सफलता प्राप्त होगी। साथ ही ल्नाजप यत्नपूर्वक सास की सुख सुविधाओं का ध्यान रखकर उनकी सेवा में तत्पर रहेंगी।

लेकिन ससुर से पूर्ण स्नेह एवं सहानुभूति अर्जित करने में ल्नाजप को कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथा उनकी तरफ से समय समय पर समस्याएं उत्पन्न होगी। परन्तु ननद एवं देवरों से संबधों में मधुरता रहेगी तथा उनका व्यवहार मित्रवत रहेगा फलतः उनसे पूर्ण स्नेह एवं सहानुभूति प्राप्त होगी।

इस प्रकार ल्नाजप को ससुराल में सामान्य रूप से अनुकूल वातावरण मिलेगा तथा किंचित असुविधाओं का सामना करके वह सामंजस्य स्थापित करने में सफल हो सकेंगी।

ससुराल-श्री

क्मअंदीन के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को क्मअंदीन अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी क्मअंदीन के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण क्मअंदीन के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।